HINDI (हिन्दी)
HONOURS (प्रतिष्ठा)

1st SEMESTER
पहला सेमेस्टर

101 : Hindi Shahitya Ka Itihas (Aadikal)
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

साहित्य का इतिहास क्या है, काल-विभाजन की धारणा, नामकरण का आधार।

इकाई दो :

हिन्दी साहित्य का आरभ, अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी, आदिकाल (पहला कवि, पहली रचना), आदिकाल की प्रवृत्तियाँ, आदिकाल की कालावधि और नामकरण।

इकाई तीन :

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य - अर्थ, परम्परा और प्रवृत्तियाँ।

इकाई चार :

विद्यापति, अमीर खुसरो, आदिकालीन गद्य रचनाएँ, संत काव्य की पृष्ठभूमि।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को चार निबंधात्मक प्रश्नों एवं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो - दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल चार निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 4 x 10 = 40 अंक।

3 - प्रत्येक इकाई से कम से कम एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं भाग 2, : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. नाथ संप्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य : कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
8. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के संदर्भ में : डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. गोरखबाणी : परम्परा और काव्यत्व : मनीषा शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. रासो साहित्य विमर्श : माताप्रसाद गुप्त (सं०)। साहित्य भवन, इलाहाबाद
11. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
12. विद्यापति ठाकुर : उमेश मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
13. पृथ्वीराज रासो भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
15. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द, मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर - 5, नौएडा - 1

102 : Katha Shahitya
कथा साहित्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

निर्मला : प्रेमचंद

इकाई दो :

परख : जैनेन्द्र

इकाई तीन :

पाठ्य पुस्तक - कथाभूमि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्धारित कहानियाँ : निम्नलिखित पाँच कहानियाँ -

1. उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), 2.पाजेब (जैनेन्द्र) 3. गुण्डा (जयशंकर प्रसाद) 4. पूस की रात (प्रेमचंद) 5. रोज (अज्ञेय) 6. परदा (यशपाल)।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम-से-कम दो - दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार **तीन निबंधात्मक प्रश्न** = 3 x 10 = 30 अंक।

3 - व्याख्या के लिए सभी इकाई से एक - एक गद्यांश देते हुए, कुल तीन गद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक गद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 - प्रत्येक इकाई से कम से कम एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार **दो लघूत्तरीय प्रश्न** = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रेमचंद : डॉ० सत्येन्द्र राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कलम का मजदूर प्रेमचंद : मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. प्रेमचंद : नरेन्द्र कोहली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व : जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
8. जैनेन्द्र के उपन्यास मर्म की तलाश : चंद्रकांत बांदिवडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. जैनेन्द्र के उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन : देवराज उपाध्याय, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. कहानी : नयी कहानी : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. हिन्दी कहानी परम्परा और प्रगति : डॉ० हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हिन्दी कहानी बीसवीं शताब्दी : डॉ० श्याम गोविन्द, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली - 53
13. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. हिन्दी उपन्यास : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
16. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, ए - 95 सेक्टर - नोएडा - 1

103 : Hindi Bhasha Ka Shwaroop
हिंदी भाषा का स्वरूप

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

हिन्दी का अर्थ, हिन्दी भाषा का क्षेत्र, हिन्दी भाषा - प्रयोग के विविध रूप - बोली, मानक भाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा।

इकाई दो :

हिन्दी भाषा के विकास का सामान्य परिचय, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ : वर्गीकरण, क्षेत्र तथा प्रमुख व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई तीन :

देवनागरी लिपि के विकास का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि के गुण-दोष, मानकीकरण।

इकाई चार :

खड़ी बोली : प्रारंभिक रूप, दक्खिनी हिन्दी, 19वीं सदी के दौरान खड़ी बोली का विकास, मानक हिन्दी की प्रमुख व्याकरणिक विशेषताएँ।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को चार निबंधात्मक प्रश्नों एवं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो - दो निबंधात्मकक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक निबंधत्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल चार निबंधात्मकप्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार **चार निबंधात्मक प्रश्न = 4 x 10 = 40 अंक।**

3 - प्रत्येक इकाई से कम से कम एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार **दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।**

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप : राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, साहित्यभवन, इलाहाबाद।
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ० भोलानाथ तिवारी : वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

5. हिन्दी भाषा का विकास : गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पण तिवारी, भारती भण्डार, इलाहाबाद।
6. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान और सम्पाधान, अशोक पथ, पटना।
7. व्यावहरिक हिन्दी व्याकरण : हरदेव बाहरी, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ० वासुदेव नंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
9. हिन्दी व्याकरण : डॉ० उमेश चन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. राजभाषा हिन्दी विकास से विविध आयाम : मलिक मोहम्मद, राजपाल, दिल्ली।
11. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : नरेश मिश्र, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
12. दक्खिनी हिन्दी और उसके प्रेमाख्यान : अनुभव प्रकाशन, कानपुर।
13. मानक हिन्दी संरचना और प्रयोग : राम प्रकाश, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
14. ईस्ट इण्डिया कंपनी की हिन्दी नीति : शिव मंगल राय, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
15. प्रमुख बिहारी बोलियों का तुलनात्मक अध्ययन : त्रिभुवन ओझा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
16. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ : दीपचंद्र जैन तथा कैलाश तिवारी, म० प्र० हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
17. अवधी : बाबूराम सक्सैना : नागरी प्रचारिणी, वाराणसी।
18. ब्रजभाषा : डॉ० धीरेन्द्र वर्मा : हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
19. नागरी लिपि और हिंदी वर्तनी : डॉ० अनंत चौधरी, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।

2nd SEMESTER
दूसरा सेमेस्टर

201 : Aadikaleen Kavya
आदिकालीन काव्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे।
निर्धारित पाठ्य पुस्तक - आदिकालीन काव्य संग्रह,
संपादक - नागेन्द्रनाथ उपाध्याय एवं शम्भुनाथ पाण्डेय
प्रकाशक : संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।

इकाई एक :
सरहपा (आरंभिक दस दोहे), हेमचन्द्र (आरंभिक दस दोहे)

इकाई दो :
चन्दवरदाई (आरंभिक दस पद्य),
अब्दुर्रहमान (शरद वर्णन के आरंभिक दस दोहे)

इकाई तीन :

गोरखनाथ (सभी पन्द्रह दोहे एवं एक पद)

विद्यापति (पद सं. 3, 7, 9, 13 और 16)

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो - दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 - व्याख्या के लिए सभी इकाइयों से एक - एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 - प्रत्येक इकाई से कम से कम एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आदिकालीन हिन्दी साहित्य : डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग 1 एवं भाग 2, : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. नाथ संप्रदाय : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. नाथ संप्रदाय और निर्गुण संत काव्य : कोमल सिंह सोलंकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
8. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के संदर्भ में : डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. गोरखवाणी : परम्परा और काव्यत्व : मनीषा शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
11. विद्यापति के गीत : सं० नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. विद्यापति का काव्यलोक : श्री नरेन्द्र नाथ दास, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
13. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं०), साहित्य भवन, इलाहाबाद।
14. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
15. विद्यापति ठाकुर : उमेश मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
16. पृथ्वीराज रासो भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
17. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए-९५, सैक्टर-५, नौएडा-१
19. विद्यापति : अनुशीलन और मुल्यांकन (दो खण्डों में) डॉ० वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।

202 : Nibandh, Natak Aur Ekanki
निबन्ध, नाटक और एकांकी

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

पाठ्य पुस्तक - निबन्ध संकलन, डॉ० रामकली सर्राफ द्वारा संपादित और विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी द्वारा प्रकाशित पुस्तक से - निम्नलिखित चार निबंध :

1. साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (बालकृष्ण भट्ट)
2. कवियों की ऊर्मिला विषयक उदासीनता (महावीर प्रसाद द्विवेदी)
3. उत्साह (रामचन्द्र शुक्ल)
4. गेहूँ बनाम गुलाब (रामवृक्ष बेनीपुरी)

इकाई दो :

भारत - दुर्दशा (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र)

इकाई तीन :

पाठ्य पुस्तक - प्रतिनिधि एकांकी, जितेन्द्रनाथ पाठक एवं सत्येन्द्र सिंह द्वारा संपादित और संजय बुक सेण्टर, वाराणसी द्वारा प्रकाशित से, निम्नलिखित तीन एकांकी :

1. विक्रमादित्य (रामकुमार वर्मा)
2. लक्ष्मी का स्वागत (उपेन्द्रनाथ अश्क)
3. रीढ़ की हड्डी (जगदीश चन्द्र माथुर)

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो - दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 - व्याख्या के लिए सभी इकाइयों से एक - एक गद्यांश देते हुए, कुल तीन गद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक गद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 - प्रत्येक इकाई से कम से कम एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :
1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : डॉ० दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
2. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना : सं० सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारत दुर्दशा : संवेदना और शिल्प : सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना कालेज के सामने, पटना।
5. भारत दुर्दशा : रेवतीरमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिन्दी एकांकी और एकांकीकार : रमा सूद, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर।
7. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

203 : Kavya Sidhhanta
काव्य सिद्धान्त

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

काव्य का अर्थ और लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार : महाकाव्य और खंडकाव्य के विशेष संदर्भ में।

इकाई दो :

काव्य सम्प्रदायों का सामान्य परिचय।

इकाई तीन :

प्लेटो का दैवी प्रेरणा सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त और लोंजाइनस का उदात्त सिद्धान्त।

इकाई चार :

रस, छन्द एंव अलंकार का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार।

छन्द - चौपाई, दोहा, रोला, सोरठा, कुण्डलियाँ, कवित्त, छप्पय एवं सवैया।

अलंकार - शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक एवं श्लेश।

अर्थालंकार - उपमा, यमक, प्रतीप, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान, संदेह, अतिश्योक्ति, अन्योक्ति, मानवीकरण एवं वक्रोक्ति।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को चार निबंधात्मक प्रश्नों एवं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो - दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल चार निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 4 x 10 = 40 अंक।

3 - प्रत्येक इकाई से कम से कम एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. काव्यांग कौमुदी : डॉ० कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. काव्यांग कौमुदी : आ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ : डॉ० सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

3rd SEMESTER
तीसरा सेमेस्टर

301 : Hindi Sahitya Ka Itihas
हिंदी साहित्य का इतिहास (मध्यकाल)

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

मध्यकाल का अर्थ, मध्यकाल की अवधि, मध्यकाल का भारतीय परिप्रेक्ष्य, मध्यकाल का सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक परिवेश।

इकाई दो :

भक्ति का उदय, भक्ति आंदोलन, भक्तिकाव्य की विभिन्न धाराएँ - सन्त काव्य, सूफी काव्य, सगुण भक्ति काव्य और उनके प्रमुख कवि।

इकाई तीन :

भक्ति के प्रमुख आचार्य – रामानुजाचार्य, रामानन्द, वल्लभाचार्य एवं निम्बार्काचार्य। भक्तिकाव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक उपलब्धियाँ, भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग क्यों है?

इकाई चार :

रीतिकाव्य का अभिप्राय, रीतिकाव्य का नामकरण और प्रवृत्तियाँ, रीतिकाव्य की धाराएँ, रीतिकाव्य का अवदान।

निर्देश :

1 – पाठ्यक्रम कुल चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को चार निबंधात्मक प्रश्न, एवं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2 – प्रत्येक इकाई से कम-से-कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल चार निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 4 x 10 = 40 अंक।

3 – प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :

1.	भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति	:	डॉ० कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2.	भक्तिकाव्य की भूमिका	:	प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3.	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	:	हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4.	भक्ति काव्य का समाज दर्शन	:	प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5.	मध्यकालीन कवि और कविता	:	रतन कुमार, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53।
6.	रीति युगीन काव्य	:	कृष्ण चंद्र वर्मा, पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद।
7.	हिंदी रीति साहित्य	:	डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8.	रीति काव्य के विविध आयाम	:	डॉ० सुधीन्द्र कुमार, स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
9.	रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा	:	डॉ० चन्द्रशेखर, राजनपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
10.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:	आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
11.	हिंदी साहित्य का इतिहास	:	डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नौएडा-1।
12.	हिंदी साहित्य की भूमिका	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

302 : Nirgun Bhakti Kavya
निर्गुण भक्ति काव्य

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

पाठ्य पुस्तक - 1. संत काव्य, सम्पादक - परशुराम चतुर्वेदी, प्रकाशक - किताब महल, 28, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-2
2. काव्य संचयन, सम्पादक - डॉ० चमनलाल गुप्ता, वाणी प्रकाशन, 21, दरियागंज, नयी दिल्ली

इकाई एक :

कबीर
कबीर (पद संख्या - 20, 24, 29 एवं 30)

इकाई दो :

जायसी
जायसी (पद्मावत का बनिजारा खंड)

इकाई तीन :

रैदास (पद संख्या - 1, 2, 5, 12 एवं सभी तीन साखियाँ)
दादूदयाल (पद संख्या - 7 एवं साखियों में से सतगुरु एवं नाम-स्मरण अंश)

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 - व्याख्या के लिए सभी इकाइयों से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 - प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। इस तरह दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० बलदेव वंशी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
2. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. कबीर और उनका दर्शन : डॉ० रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
4. कबीर : विजयेन्द्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर : डॉ० राजदेव सिंह, आलेख प्रकाशन, नवीन शाहदरा, दिल्ली-32
6. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
7. मलिक मुहम्मद जायसी : डॉ० कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. जायसी का अभिप्रेत आशय : विजय शंकर मिश्र, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. संत साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, इलाहाबाद।
10. संत कवि दादू : कृष्ण वल्लभ देव, नेशनल प्रकाशन, दिल्ली।
11. संत कवि रैदास, मूल्यांकन और प्रदेय : एन. सिंह, पुखराज प्रकाशन, खतौली।

303 : Rekhachitra, Sansmaran Aur Riportaj
रेखाचित्र, संस्मरण और रिपोर्ताज

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

पाठ्य पुस्तक - हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र, डॉ० चौधीराम यादव द्वारा संपादित और विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित पाँच रेखाचित्र :

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. बच्चा महाराज

3. स्मरण - प्रेमचन्द
4. व्योमकेश शास्त्री उर्फ हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. बैसवाड़े में निराला

इकाई दो :

संस्मरण - मेरा परिवार (महादेवी), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई तीन :

रिपोर्ताज - 'ऋणजल-धनजल' (फणीश्वरनाथ रेणु), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 - व्याख्या के लिए सभी इकाई से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी वाङ्मय : बीसवीं शताब्दी : डॉ० नगेन्द्र, नेशनल, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नौएडा-1।

4th SEMESTER
चौथा सेमेस्टर

401 : Reeti Kavya
रीति काव्य

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

पाठ्य पुस्तक - मध्यकालीन काव्य संग्रह, प्रस्तुतकर्त्ता : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

इकाई एक :

केशव (आरंभिक छह पद)

बिहारी (दोहा संख्या - 1, 2, 3, 5, 6, 8, 9, 10, 12, 13, 14, 16, 17, 20, 22, 23, 25, 28, 29, 30 (कुल बीस दोहे)

इकाई दो :

देव पद संख्या 1, 3, 6, 8, 10

मतिराम (सभी पद)

इकाई तीन :

घनानन्द (पद संख्या 1, 2, 3, 4)

भूषण (सभी पाँच पद)

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 - व्याख्या के लिए सभी इकाइयों से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 - प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1.	हिंदी रीति साहित्य	:	डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2.	रीति काव्य के विविध आयाम	:	डॉ० सुधीन्द्र कुमार, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3.	रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा	:	डॉ० चन्द्रशेखर, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
4.	रीति युगीन काव्य : कृष्ण चन्द्र वर्मा	:	पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद।
5.	रीति काव्य की इतिहास दृष्टि	:	डॉ० सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6.	केशव का आचार्यत्व	:	डॉ० विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
7.	बिहारी का नया मूल्यांकन	:	डॉ० बचन सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8.	बिहारी अनुशीलन	:	डॉ० सरोज गुप्ता, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9.	बिहारी एक मूल्यांकन	:	हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
10.	घनानन्द ग्रंथावली	:	डॉ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।

402 : Sagun Bhakti Kavya
सगुण भक्ति काव्य

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

पाठ्य पुस्तक - काव्य संचयन, सम्पादक : चमनलाल गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई एक :

सूरदास
विनय तथा भक्ति से पद संख्या 2, 4, 5, 6 और 8।
मथुरा गमन और भ्रमर गीत से पद संख्या 4, 15, 17, 20 और 22।

इकाई दो :

तुलसीदास
रामचरितमानस - वर्षा वर्णन और अजेय रथ
विनय पत्रिका से चार पद - संख्या 2, 3, 4 और 5।

इकाई तीन :

मीराबाई

पद संख्या - 1, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 14, 16 और 18 (कुल ग्यारह पद)

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघुत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 - व्याख्या के लिए सभी इकाई से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 - प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. सूरदास और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
3. सूर साहित्य : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।
5. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : डॉ० मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
8. तुलसी की साहित्य साधना : डॉ० लक्ष्मन राय, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।
9. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. तुलसी : उदय भानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली 11।
11. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. रामचरित मानस : एक साहित्यिक मूल्यांकन : सुधाकर पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
14. हिंदी की गीतिकाव्य परंपरा और मीरा : डॉ० मंजु तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
16. भक्ति काव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
17. भक्ति खंजन किसके : मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

403 : Bhasha Vigyan
भाषा विज्ञान

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

भाषा विज्ञान : परिभाषा, क्षेत्र व अन्य शास्त्रों के साथ संबंध, भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ, संसार के भाषा परिवारों का सामान्य परिचय, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ एवं उनका वर्गीकरण।

इकाई दो :

ध्वनि विज्ञान - ध्वनि अध्ययन के आधार : उच्चारण, प्रसरण और श्रवण, ध्वनियों का वर्गीकरण : स्वर और व्यंजन ध्वनियाँ तथा उनका वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, स्वनिम विज्ञान : स्वन, संस्वन और स्वनिम।

इकाई तीन :

रूप विज्ञान - रूप रचना, धातु और प्रत्यय, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ,
रुपिम विज्ञान - रूप, संरूप और रुपिम।

इकाई चार :

वाक्यविज्ञान - वाक्य की अवतारणा और वाक्य के अंग, वाक्य रचना में परिवर्तन - कारण और दिशाएँ,
अर्थ विज्ञान - शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ निर्णय के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को चार निबंधात्मक प्रश्न एवं दो लघुत्तरीय प्रश्न के उत्तर देने होंगे।

2 - प्रत्येक इकाई से कम-से-कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल चार निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 4 x 10 =

40 अंक।

3 – प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. भाषाशास्त्र और हिंदी भाषा की रूपरेखा : डॉ० देवेन्द्र कुमार शास्त्री, विश्वविद्यालया प्रकाशन, वाराणसी।
2. सामान्य भाषा विज्ञान : वैश्ना नारंग, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
3. हिंदी भाषा का इतिहास और संरचना : हरिश्चंद्र पाठक, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. स्वनिम विज्ञान और हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : शारदा भसीन, आर्य बुक डिपो, नयी दिल्ली।
5. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. हिंदी भाषा संरचना और प्रयोग : रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव तथा भोलानाथ तिवारी, नेशनल, नयी दिल्ली।
7. हिंदी भाषा का रूपिमीय विश्लेषण : लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा, अंशुकमल प्रकाशन, पटना।
8. संरचनात्मक भाषाविज्ञान : भारतभुषण चौधरी, संजीव प्रकाशन, कुरूक्षेत्र, थानेश्वर।
9. हिंदी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन : सत्यव्रत, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद।

5th SEMESTER
पाँचवां सेमेस्टर

501 : Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kal)
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

आधुनिकता और आधुनिक काल : उद्‌भव के कारक, परिवेश, पुनर्जागरण, राष्ट्रीय आन्दोलन और हिन्दी साहित्य।

इकाई दो :

भारतेन्दु युग एवं द्विवेदी युग।

इकाई तीन :

आधुनिक हिन्दी कविता का विकास : छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं साठोत्तरी कविता।

इकाई चार :

हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास : कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, आलोचना एवं गद्य की अन्य नवीन विधाएं।

निर्देश :

1 – पाठ्यक्रम कुल चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को चार निबंधात्मक प्रश्न एवं दो लघुत्तरीय प्रश्न के उत्तर देने होंगे।

2 – प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल चार निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 4 x 10 = 40 अंक

3 – प्रत्येक इकाई से कम से कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सैक्टर-5, नौएडा-1।
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य : विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ० रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. आधुनिकताबाद : दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53।
10. छायावाद : डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. प्रगतिवादी आन्दोलन का इतिहास : डॉ० कर्णसिंह चौहान, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
13. प्रगतिवादी कविता कल और आज : डॉ० रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
14. प्रयोगवाद, नई कविता और नकेन : मोहम्मद इम्तियाज खाँ, अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली।
15. नई कविता : डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16. नयी कविता की चिंतन भूमि : उषा चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
19. साहित्य और विचारधारा : ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा० लि०, पंचकूला, हरियाणा।
20. आधुनिकता का उत्तरोत्तर : कैलाश वाजपेयी, सारांश प्रकाशन, मयूर विहार-1, दिल्ली-1।

21. हिंदी आलोचना का विकास : डॉ० नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
23. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
24. भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
25. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ० दशरथ ओझा, राज कमल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
26. कहानी : नयी कहानी : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
27. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
28. हिंदी उपन्यास : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

502 : Aadhunik Kavita (Chayavad Tak)
आधुनिक कविता (छायावाद तक)

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

पाठ्य पुस्तक – आधुनिक काव्य संग्रह, सम्पादक : रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

इकाई एक :

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – भारत वीरत्व एवं हिन्दी भाषा दोहा संख्या 1, 4, 12, 20, 22, 24, 26, 27, 29, 35, 40 और 43।

मैथिलीशरण गुप्त – कैकेयी का अनुताप।

इकाई दो :

जयशंकर प्रसाद – श्रद्धा।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – जागो फिर एक बार।

इकाई तीन :

सुमित्रानंदन पंत – प्रथम रश्मि, नौका विहार और भारत माता

महादेवी – कौन पहुँचा देगा उस पार, मैं नीर भरी दु:ख की बदली, अपरिचित पथ और चुभते ही तेरा अरुण बाण।

निर्देश :

1 – पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होगी।

2 – प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 – व्याख्या के लिए सभी इकाइयों से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 – प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न० दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र : कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, न० दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्त : एक मूल्यांकन : डॉ० नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. जयशंकर प्रसाद : एक मूल्यांकन : विनोद शाही, आधार प्रकाशन प्रा० लि०, पंचकूला (हरियाणा)
6. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर, 12, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. निराला का काव्य : डॉ० बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
8. निराला : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न० दिल्ली।
9. प्रसाद, निराला और पंत : विजय बहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

11.	हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ	:	डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
12.	छायावाद	:	डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13.	हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य	:	प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14.	कामायनी विमर्श	:	भगीरथ दीक्षित, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15.	सुमित्रानंदन पंत	:	सं० बच्चन, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
16.	निराला की कविताएँ और काव्य भाषा	:	डॉ० रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
17.	निराला : कवि-छवि	:	डॉ० नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
18.	महादेवी	:	गंगाप्रसाद पाण्डेय, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
19.	महादेवी	:	इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
20.	महादेवी	:	आधुनिक कवि भाग-1, प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
21.	सुमित्रानंदन पंत	:	आधुनिक कवि भाग-2, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

503 : Chayavadottar Kavita
छायावादोत्तर कविता

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

पाठ्य पुस्तक - आधुनिक काव्य संग्रह, सम्पादक : रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
छायावादोत्तर काव्य संग्रह, सम्पादक : रामनारायण शुक्ल एवं श्रीनिवास पाण्डेय, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।

इकाई एक :

अज्ञेय - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला और नाच।

मुक्तिबोध – एक भूतपूर्व विद्रोही का आत्मकथन।

इकाई दो :

नागार्जुन – यह दन्तुरित मुस्कान, बादल को घिरते देखा है और अकाल और उसके बाद।
केदारनाथ अग्रवाल – मैंने उसको, सुख-सर्जन का सवेरा और
मांझी न बजाओ वंशी मेरा मन डोलता।

इकाई तीन :

बच्चन – तुम गा दो मेरा गान, इसपार-उसपार, पथ की पहचान और लहरों का निमंत्रण
दिनकर – हिमालय, बालिका से वधू और प्रभाती।

निर्देश :

1 – पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 – प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 – व्याख्या के लिए सभी इकाइयों से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 – प्रत्येक इकाई से कम से कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रतिबद्धता और मुक्तिबोध का काव्य : प्रभात त्रिपाठी, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
2. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. मुक्तिबोध की कविताई : अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. नागार्जुन : स० प्रभाकर माचवे, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
6. अज्ञेय का काव्य : शब्द और सत्य : अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. अज्ञेय कवि और काव्य : डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंद किशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।

9. हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. प्रयोगवाद, नई कविता और नकेन : मोहम्मद इम्तियाज खाँ, अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-53
11. नयी कविता का आत्म संघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल : डॉ० रामविलास शर्मा, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. केदारनाथ अग्रवाल : सं० अजय तिवारी, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. श्रम का सौंदर्य शास्त्र और केदारनाथ अग्रवाल का काव्य : मधुछन्दा, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. बन्धन : सं० चन्द्रगुप्त विद्यालंकार : राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
16. बन्धन : कविता और जीवन के अंत:सूत्र : डॉ० सीमा जैन, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
17. रामधारी सिंह दिनकर : सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
18. रामधारी सिंह दिनकर : विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।

6th SEMESTER
छटा सेमेस्टर

601 : Samkaleen Kavita (1960 Ke Baad)
समकालीन कविता (सन् 60 के बाद)

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

पाठ्य पुस्तक - छायावादोत्तर काव्य संग्रह, सम्पादक : रामनारायण शुक्ल एवं श्रीनिवास पाण्डेय
प्रकाशक : संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।

इकाई एक :

रघुवीर सहाय - हंसो हंसो जल्दी हंसो और दो अर्थ का भय

सर्वेश्वर – भेड़िया 2 तथा भेड़िया 3।
विजयदेव नारायण साही – हिमालय के आंसू और अलविदा।

इकाई दो :

केदारनाथ सिंह – एक पारिवारिक प्रश्न और रोटी।
कुंवर नारायण – आत्मजयी के चुने हुए अंश।
धूमिल – गांव और रोटी।

इकाई तीन :

श्रीकांत वर्मा – हस्तिनापुर का रिवाज और हस्तक्षेप।
दुष्यन्त कुमार – सभी चार गजलें।
धर्मवीर भारती – कविता की मौत और टूटा हुआ पहिया।

निर्देश :

1 – पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघुत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 – प्रत्येक इकाई से कम-से-कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार **तीन निबंधात्मक प्रश्न** = 3 x 10 = 30 अंक।

3 – व्याख्या के लिए सभी इकाई से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार **एक व्याख्या** = 1 x 10 = 10 अंक।

4 – प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार **दो लघूत्तरीय प्रश्न** = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. दूसरा सप्तक : संपा० अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. तीसरा सप्तक : संपा० अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
3. रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. कटघरे का कवि धूमिल : गणेश अष्टेकर : पंचशील प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और उनका काव्य संसार : डॉ० मंजु त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

6. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का रचना कर्म : कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. कुँवर नारायण – संसार : यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ० रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. नयी कविता का आत्म संघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. नई कविता : डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. नयी कविता की चिंतन भूमि : उषा चौहान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
13. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
14. साठेत्तरी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
15. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष : डॉ० रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
16. साहित्य और विचारधारा : ओमप्रकाश ग्रेवाल, आधार प्रकाशन प्रा० लि०, पंचकूला, हरियाणा।
17. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
18. कविता और संवेदना : विजयकुमार सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र०।
19. समकालीन काव्य यात्रा : नन्दकिशोर नवल, किताबघर, नयी दिल्ली।
20. ओम प्रकाश ग्रेवाल : साहित्य और विचारधारा, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 1994।
21. डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव : कविता का अर्थात्, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 1999।
22. डॉ० मैनेजर पाण्डेय : शब्द और कर्म : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997।
23. विश्वम्भर नाथ उपाध्याय : समकालीन कविता की भूमिका, मैकमिलन, नई दिल्ली।
24. रघुवीर सहाय : यथार्थ यथास्थिति नहीं, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1984।
25. डॉ० रेवती रमण : कविता में समकाल, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, 1994।
26. डॉ० विजय बहादुर सिंह : कविता और संवेदना, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, 1998।
27. डॉ० रोहिताश्व : समकालीन कविता और सौन्दर्यबोध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 1995।

28. अरविंद त्रिपाठी : आलोचना की साखी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001।
29. बादाम सिंह रावत : साठोत्तरी हिंदी कविता : शिल्प के नये प्रयोग, गिरिनार प्रकाशन, मेहसाना, 1980।
30. राजेन्द्र मिश्र : समकालीन कविता : सार्थकता और समझ, कमल प्रकाशन, राँची।

602 : Swatantrayottar Katha Sahitya
स्वातंत्रयोत्तर कथा साहित्य

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

उपन्यास - बलचनमा (नागार्जुन)

इकाई दो :

उपन्यास - अनामदास का पोथा (हजारीप्रसाद द्विवेदी)

इकाई तीन :-

पाठ्य पुस्तक - कथा विविधा, संपादक - कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, में से निम्नलिखित कहानियाँ-

डिप्टी कलक्टरी (अमरकांत), रसप्रिया (फणीश्वरनाथ रेणु), छुट्टी का दिन (उषा प्रियम्वदा), सुख (काशीनाथ सिंह), पिता (ज्ञानरंजन) और तिरिछ (उदयप्रकाश)।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को तीन निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम-से-कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक

इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल तीन निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार तीन निबंधात्मक प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

3 – व्याख्या के लिए सभी इकाई से एक-एक पद्यांश देते हुए, कुल तीन पद्यांश दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की व्याख्या करनी होगी। व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार एक व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4 – प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी उपन्यास : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
5. हिंदी उपन्यास का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, ए-95, सेक्टर - नौएडा-1।

603 : Hindi Aalochana
हिन्दी आलोचना

Full Marks - 50
Pass Marks - 17
Time - 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

नोट : परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई एक :

आलोचना का अर्थ एवं आलोचना की विविध प्रविधियाँ।

इकाई दो :

हिन्दी आलोचना का आरम्भ एवं विकास। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से पहले की हिन्दी आलोचना।

इकाई तीन :

हिन्दी की शास्त्रीय आलोचना : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

इकाई चार :

प्रगतिवादी हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा, नामवर सिंह और मैनेजर पाण्डेय।

निर्देश :

1 - पाठ्यक्रम कुल चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को चार निबंधात्मक प्रश्न, दो लघूत्तरीय प्रश्न और एक व्याख्या करनी होंगी।

2 - प्रत्येक इकाई से कम से कम दो-दो निबंधात्मक प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखते हुए कुल चार निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार चार निबंधात्मक प्रश्न = 4 x 10 = 40 अंक।

3 - प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक-एक लघूत्तरीय प्रश्न देते कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। इस प्रकार दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 5 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी आलोचना का विकास : डॉ० नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य शास्त्र : सं० नन्दकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. आचार्य रामचन्द्र और हिंदी आलोचना : डॉ० रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. प्रगतिशील आलोचना की परंपरा और रामचंद्र शुक्ल : शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. वाद विवाद संवाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. आलोचना के नए मान : कर्ण सिंह चौहान, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. आलोचना और नामवर सिंह : रतन कुमार पाण्डेय, अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डी, दिल्ली।
14. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

15. हिंदी आलोचना की परंपरा और रामचंद्र शुक्ल : डॉ० शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
16. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : प्रस्थान परंपरा : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
17. भारतीय काव्य चिंतन : डॉ० शोभानाथ मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना कालेज के सामने, पटना-01, बिहार।
18. शब्द और कर्म : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
21. अनभै साँचा : मैनेजर पाण्डेय, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. संकट के बावजूद : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
23. मेरे साक्षात्कार : मैनेजर पाण्डेय, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
24. मैं भी मुंह में जबान रखता हूँ : मैनेजर पाण्डेय, यश पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

— x —